दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 41 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, सोमवार, 10 अप्रैल 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

पुलिस की कार्यप्रणाली और स्वायत्तता

अनिल कपूर ने वर्कआउट वीडियो शेयर किया

मूल्य- 2 रु.

शहर की सारी व्यवस्थाएं हो चाक चौबंद : मुख्यमंत्री धामी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं हरिद्वार सांसद रमेश पोखरियाल निशंक ने रविवार को हरिद्वार भ्रमण के दौरान डामकोठी में अधिकारियों के साथ विकास कार्यों आदि के सम्बन्ध में एक समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय से हरिद्वार जनपद में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिये कि जो भी जन-कल्याणकारी योजनायें चल रही हैं, उनका लाभ अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक अवश्य पहुंचे। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ग्राम सभाओं में चौपालों का आयोजन किया जाये तथा उसमें जिस भी ग्रामवासी की जो भी समस्या हो, उसका निस्तारण शीर्ष प्राथमिकता पर किया जाये एवं गर्मी के मौसम को देखते हुये बिजली, पानी आदि पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने कहा कि सब्सिडी की जो भी योजनायें हैं, उनका लाभ समय पर लाभार्थी को दिलाना सुनिश्चित करें तथा जिस किसी भी योजना का कार्डधारक हो, उसे समय पर राशन का वितरण होना चाहिये। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा का

उल्लेख करते हुये कहा कि हरिद्वार चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है, जिसे देखते हुये यहां हर तरह की व्यवस्थायें, खासतौर पर हरिद्वार शहर तथा गंगा के घाटों की साफ-सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाये। यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में चर्चा करते हुये जिलाधिकारी ने बताया कि चारधाम यात्रा को देखते हुये दुधाधारी या अन्य स्थानों पर जाम की स्थिति न बने, इसके लिये विभिन्न वैकल्पिक योजनाओं-भारी वाहनों की नो इण्ट्री का समय निर्धारण करना, पार्किंग की उचित व्यवस्था आदि पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। कानून-व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री द्वारा जानकारी लिये जाने पर जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि हनुमान जयन्ती के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रम निर्विघ्न तथा सकुशल सम्पन्न हुये हैं तथा कानून-व्यवस्था चुस्त एवं दुरूस्त है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक आयोजित होने वाली परीक्षाओं को कड़े कदम उठाते हुये नकल विहीन व सकुशल सम्पन्न कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बैठक में जमीन सम्बन्धी

हरिद्वार चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है : मुख्यमंत्री धामी

सब्सिडी की जो भी योजनायें हैं, उनका लाभ समय पर लाभार्थी को दिलाना सुनिश्चित करें : धामी

प्रकरण आदि पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया तथा दिशा-निर्देश दिये। इससे पहले मुख्यमंत्री ने साक्षी महाराज से शिष्टाचार भेंट की तथा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से हरिद्वार में संचालित हो रही विभिन्न विकास योजनाओं के बारे में भी विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक लक्सर संजय गुप्ता, पूर्व विधायक ज्वालापुर सुरेश राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल, महामंत्री आशू चौधरी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ0 जयपाल सिंह चौहान, सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश जमदग्नि, पूर्व मेयर मनोज गर्ग, भूमि अध्याप्ति अधिकारी ब्रजेश तिवारी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

भाजपा में शामिल होंगे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी

नई दिल्ली। कयास लगाए जा रहे हैं कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी के भाजपा में शामिल होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने पंजाब में कुछ बीजेपी नेताओं से मुलाकात की। दूसरी तरफ कांग्रेस भी उनके भाजपा में जाने को लेकर अलर्ट पर है। राजनीतिक गलियारों में इस तरह की खबरें नवजोत सिंह सिद्धू के जेल से बाहर आने के बाद से शुरू हुए हैं। दरअसल, सिद्धू और चन्नी के बीच चुनाव से पहले ही तनातनी चल रही थी। इस बीच जेल से बाहर आकर सिद्धू ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की थी। तब से चन्नी को लेकर खबरों का बाजार गर्म है। जेल से बाहर आने के बाद सिद्धू अपने पुराने रंग में दिखने लगे हैं। उन्होंने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी। राहुल गांधी को मेंटर बताया और कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी वफादारी दिखाने की कोशिश की।

पीएम मोदी ने जारी किया बाघों का नया आंकड़ा

कर्नाटक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बाघों का नया आंकड़ा जारी कर दिया है। नए आंकड़े के मुताबिक देश में बाघों की संख्या बढ़कर 3167 हो गई है। इससे पहले देश में बाघों की संख्या 2967 थी। नए आंकड़े के मुताबिक देश में एक साल में बाघों की संख्या में 200 की बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि देश में 5 दशक पहले 1 अप्रैल, 1973 को बाघों की बचाने की सबसे बड़ी मुहिम शुरू की थी। इस मुहिम का नाम रखा गया था- प्रोजेक्ट टाइगर। तब से देश में बाघों की आबादी लगातार बढ़ रही हैं और आज पूरी दुनिया में बाघों की संख्या का 70 फीसदी भारत में निवास कर रही है। हर साल यह आबादी 6 फीसदी की दर से बढ़ रही है।

सीएम धामी ने की आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि से मुलाकात

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कनखल स्थित हरिहर आश्रम में आचार्य महामण्डलेश्वर अवधेशानन्द गिरि महाराज से शिष्टाचार भेंट की तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर रानीपुर विधायक आदेश चौहान पूर्व विधायक लक्सर संजय गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल, महामंत्री आशू चौधरी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ0 जयपाल सिंह चौहान, जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बीर सिंह बुदियाल, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी0एल0 शाह, एसडीएम पूरण सिंह राणा,

एमएनए दयानन्द सरस्वती सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुद्रा योजना का 83 फीसदी कर्ज 50,000 रुपए से कम, इतनी कम राशि में कौन-सा कारोबार हो पाएगा: चिदंबरम

नई दिल्ली, (भाषा)। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के आठ साल पूरे होने के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि इस योजना के तहत दिए गए 83 प्रतिशत कर्ज की राशि 50,000 रुपए से कम है, ऐसे में वह हैरान हैं कि आज के समय में इतनी कम धनराशि में किस तरह का कारोबार किया जा सकता है। बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने मुद्रा योजना के तहत 40.82 करोड़ लाभार्थियों को 23.2 लाख करोड़ रुपए के कर्ज बांटे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत की थी, जिसके तहत गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि क्षेत्र

के लघु एवं सूक्ष्म उद्यमियों को 10 लाख रुपए तक के आसान जमानत-मुक्त ऋण की सुविधा प्रदान की जाती है।

चिदंबरम ने ट्वीट कर कहा कि मुद्रा योजना के तहत आठ साल में कुल 23.2 लाख करोड़ रुपए के कर्ज दिए गए, जो कि शानदार है, लेकिन तभी तक जब तक कि आप यह नहीं जान लेते कि इसमें से 83 फीसदी कर्ज 50,000 रुपए से कम का है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा, इसका मतलब है कि 19,25,600 रुपए का कर्ज कर्जदारों को 50,000 रुपए या उससे कम राशि का दिया गया है। मैं हैरान हूं कि आज के दौर में 50,000 रुपए के ऋण के साथ किस तरह का कारोबार किया जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा था कि पीएमएमवाई के अंतर्गत ऋणदाता संस्थाएं (एमएलआई)-बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), सूक्ष्म-वित्तीय संस्थान (एमएफआई) और अन्य वित्तीय मध्यस्थ कर्ज प्रदान करते हैं।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

बहस के आंगन में सत्र-1

राजनीति की अपनी बोलियां और टप्पे हैं, जिन्हें सुन कर हम अंदाजा लगा सकते हैं कि विधानसभा सत्र की बहस में भी नाचते वक्त कभी आंगन टेढ़ा लगता है, तो यह पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों का कदमताल है। हिमाचल के खुलते और बंद होते दरवाजों की नीयत पर शक करें या उन रोशनदानों के लिए जगह पैदा करें, जो भविष्य की रोशनी को खींच लें। सुक्खू सरकार ने जिस दरिया को पार करके अपनी सत्ता का नगर बसाया है, वहां विपक्ष में भाजपा अपना स्थान पुष्ट करना चाहती है और इसी द्वंद्व के मोर्चे पर वाकआउट जैसे नजारे उभरते रहे। कहीं बादलों ने डिनोटिफाइड संस्थानों की पृष्ठभूमि को छुपा लिया, तो विपक्ष मांझी की तरह नगर को छोडक़र फिर नदिया में अपनी नाव चलाने लगा। विधानसभा में आती आवाजें बार-बार बाहर निकल कर हांक लगातीं, तो महिलाओं के हक में कांग्रेस की गारंटियों पर चीखते विपक्ष के लिए पंद्रह सौ रुपए की अदायगी जीने मरने का सवाल बन जाता है। भाजपा का चुनावी मलाल, सत्ता पर चढ़े गुलाल से मुकाबला करते हुए तमाम गारंटियों का हिसाब लेना चाहता है, तो सादगी भरे आश्वासन से मुख्यमंत्री बता देते हैं कि सरकार पूरे पांच साल की करवटों में गारंटियों में भरी उम्मीदों को बांटेगी। भाजपा बार-बार अपनी पूर्ववर्ती सत्ता के मैदान पर छोड़ आई गेंद उठा कर सत्ता पक्ष की तरफ उछालती रही। यह वही गेंद है जो जनमंच के आयोजनों के वक्त अधिकारियों की तरफ उछाली जाती थी। अब अगर सुक्खू सरकार ऐसे शिकायती मंच पर शिरकतनहीं करना चाहती, तो विपक्ष को तर्क रखने का इतना अधिकार तो था कि वह सदन के वेल तक आ कर अपनी शिकायत का तापमान बढ़ा दे। विपक्ष ने सत्तापक्ष के विधायकों को बीच में यह भी सिखा दिया कि सत्र में टाइम टेबल से आने की जरूरत क्या है। एक बार मौका यह भी आया कि योजनावकाश के बाद कुछ देरी से आए सत्ता के नुमाइंदों को विपक्ष ने 'सरकार गुम है' का अलाप सुना दिया। विधानसभा का बजट सत्र सरकार के नए आरोहण का गुलदस्ता पेश कर रहा था, तो विपक्ष के माप तोल बढ़ा रहा था। सरकार नीतियों को बदलने के तरानों में ऐसा कुछ नहीं सुन सकती, जो पिछली सरकार की वकालत करे। इसलिए हिमाचल का बजट 3064 करोड़ बढ़ा दिया जाता है। आउटसोर्स भर्ती को ताले में बंद करके नई परिपाटी में नौकरी बुलंद होगी। सरकार प्रदेश के नक्षत्र बदल कर वाटर सेस लगाना चाहती है, तो समर्थन में विपक्ष भी एक स्वर कह उठता है, 'हिमाचली हक-ऐत्थे रख'। मसले बहुतेरे हैं, तो नए विकल्पों पर सुक्खू सरकार ने एसएमसी शिक्षकों को भी राहत का पैगाम दे दिया। खींचतान के लिए पूर्व सरकार का भुगतान सुक्खू सरकार के बजट का इम्तिहान लेने लगा तो पता चला हिमकेयर के 61 करोड़ भी देने पड़ेंगे। विपक्ष एक ओर सदन में सरकार पर गुमराह करने का आरोप लगाते दिखा तो दूसरी ओर सत्ता पक्ष दस साल में हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की कला पर वक्तव्य देते दिखा। सदन के रौंगटे कोई भी वाकआउट खड़े नहीं कर सकता, लेकिन छोटा सा सवाल भी गहने उतार सकता है। इसलिए अर्थव्यवस्था के नाम पर ऋण लेने पर खूब बाल नोचे गए, लेकिन हिसाब-किताब बता गया कि आगे भी गाड़ी उधार के पेट्रोल पर ही चलेगी। सरकार ओपीएस देने की मुद्रा में बजट सत्र को आश्वासनों से लबालब कर गई, लेकिन कहीं सत्य यह भी निकला कि एनपीएस के कुल 9243 करोड़ पर केंद्र कुंडली मार कर बैठ गया है। विधानसभा सत्र में अफसोस के कई जाम छलकते रहे।

पुलिस की कार्यप्रणाली और स्वायत्तता

योगेंद्र योगी

कानून-व्यवस्था के मामलों में सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी पुलिस गंभीर मामलों में अनुसंधान को अंजाम तक पहुंचाने में नाकाम रही है। राजधानी जयपुर में मई 2008 में हुए सीरियल ब्लास्ट मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 मार्च को चारों आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने जांच एजेंसी की ओर से पेश किए गए सबूतों को गलत पाया।

सवाल यह भी है कि अदालत से बरी हुए जिन आरोपियों ने सालों जेल में काटे हैं, इससे उनके भविष्य और परिवार का जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कौन करेगा। सरकार उनका भविष्य तबाह करने के लिए किसी तरह का मुआवजा नहीं देती है। आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाने में नाकाम रहे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मंशा भी सरकारों की नजर नहीं आती। पर्याप्त सबूतों के अभाव में बरी हुए आरोपियों के मामलों से सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा। ऐसी गलतियां फिर नहीं दोहराई जाएं, इसका पक्का इंतजाम करने की मंशा नेताओं और सरकारों की नजर नहीं आती। ऐसा नहीं है कि पुलिस महकमे में योग्य पुलिसकर्मियों की कमी हो, किन्तु नेताओं की मनमर्जी से काम नहीं करने पर उन्हें योग्यता दिखाने का अवसर ही नहीं दिया जाता। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियां सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी हुई हैं। सरकार और राजनीतिक दलों का सारा जोर पुलिस से अपने निहित स्वार्थ पूरे कराने पर रहता है

पुलिस की कार्यशैली अभी तक अंग्रेजी राज जैसी चली आ रही है। सरकार के इशारे के बगैर पुलिस पत्ता तक नहीं हिला सकती। पुलिस न केवल अनुसंधान के मामलों में लचर है बल्कि कानून-व्यवस्था में भी राज्य सरकारों का मुंह ताकती रहती है। आतंकी और अन्य बड़े अपराधों के बरी हुए आरोपियों के साथ ही कई राज्यों में रामनवमी पर बिगड़ी कानून-व्यवस्था को संभालने में नाकाम रही पुलिस आरोपों के कटघरे में है। पश्चिमी बंगाल, बिहार और झारखंड में रामनवमी पर हुए सांप्रदायिक उपद्रवों ने पुलिस और राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी। पुलिस और राज्य की इंटेलीजेंस एजेंसियां न सिर्फ दंगों का पहले से पता लगाने में नाकाम रही बल्कि दंगों को फैलने से रोकने में भी विफल रही। पश्चिमी बंगाल, झारखंड और बिहार में दंगा एक शहर से दूसरे शहरों तक फैलता चला गया। कानून-व्यवस्था संभालने के मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने तत्काल पहल की। इसी पर्व पर उपद्रवियों ने लखनऊ में फसाद करने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस ने उसे सख्ती से नाकाम कर दिया।

कानून-व्यवस्था के मामलों में सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी पुलिस गंभीर मामलों में अनुसंधान को अंजाम तक पहुंचाने में नाकाम रही है। राजधानी जयपुर में मई 2008 में हुए सीरियल ब्लास्ट मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 मार्च को चारों आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने जांच एजेंसी की ओर से पेश किए गए सबूतों को गलत पाया। वर्ष 2019 में चारों आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। पुलिस की भारी किरकिरी होने के बाद राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की कवायद में जुटी है। पुलिस की नाकामी का दूसरा बड़ा मामला उत्तर प्रदेश के भदोही में सामने आया। भदोही जिले की एक अदालत ने 4 लोगों के एनकाउंटर के 25 साल पुराने मामले में 34 पुलिसकर्मियों समेत 36 लोगों को बरी कर दिया है। पुलिस के हाथ कैसे बंधे होते हैं, इसका एक और उदाहरण खालिस्तान समर्थक और वारिस-ए-पंजाब के प्रमुख अमृतपाल का मामला है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सरकार अमृतपाल की गिरफ्तारी से बचती रही। पुलिस ही नहीं कई मामलों में सीबीआई और एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसी भी संवेदनशील अपराधों के मामलों की तफ्तीश को लचर तरीके से करके अपनी किरकिरी करा चुकी है। 11 साल पहले हैदराबाद की प्रसिद्ध मक्का मस्जिद में हुए शक्तिशाली पाइप बम धमाके मामले में स्वामी असीमानंद सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। इस प्रसिद्ध इबादतगाह में हुए ब्लास्ट में 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में सीबीआई के 54 गवाह अपने बयान से मुकर गए।

इस पर सीबीआई की खूब फजीहत हुई थी। गुजरात की एक अदालत ने 2002 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान कलोल में अलग-अलग घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदाय के 12 से अधिक सदस्यों की हत्या और सामूहिक बलात्कार के आरोपी सभी 39 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। इसी तरह सूरत की एक अदालत ने प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का सदस्य होने का आरोप झेल रहे 122 लोगों को दिसंबर 2001 में सूरत में हुई एक बैठक में शामिल होने के आरोप से बरी कर दिया।

इतनी खौफजदा तो कभी नहीं थी भाजपा

याद कीजिए वर्ष 1977 के मई महीने में अंतरात्मा को झकझोर देने वाला ऐतिहासिक दुर्भाग्यपूर्ण कांड। बिहार की राजधानी पटना से लगभग 80 किलोमीटर दूर नालंदा जिले का गांव बेलछी, जिसमें नरसंहार हुआ था। वहां जातीय संघर्ष में 11 लोगों को जिंदा जला दिया गया था। केंद्र से इंदिरा गांधी सत्ता से बेदखल हो गई थीं और वहां जनता पार्टी की सरकार थी। मोरारजी भाई देसाई प्रधानमंत्री थे तथा बिहार में कर्पूरी ठाकुर की सरकार थी। सत्ता में दूर—दूर तक कांग्रेस के वापस लौटने की उम्मीद नजर नहीं आ रही थी। वहीं, सत्ता से बेदखल हो चुकीं इंदिरा गांधी ने दूरदर्शिता का परिचय देते हुए बेलछी जाने का कार्यक्रम बनाया। उनकी पारखी नजर ने ताड़ लिया था कि इस घटना का प्रसार और प्रभाव देश ही नहीं, अन्य देशों में भी होगा। पटना तक हवाई जहाज, फिर मूसलधार बारिश में कार में कुछ ही दूर चली थीं कि कार कीचड़ में फस गई। उसके बाद ट्रैक्टर का सहारा लिया गया। उसके आगे नदी को पार करने के लिए बिना हौदे की हाथी पर सवार होकर उनका काफिला बेलछी गांव पहुंचा। वहां पीड़ित परिवार को लगा, जैसे कोई देवदूत उनके दुख को बांटने आ गया हो। महिलाएं उनके गले लगकर फफक—फफक कर रोईं और कहा कि हमलोगों से बड़ी भूल हो गई कि हमने

चुनाव में आपको वोट नहीं दिया। फिर सच में इंदिरा गांधी की यह यात्रा देश के लोगों का दिल जीत लिया और परिणामस्वरूप वर्ष 1980 में कांग्रेस भारी बहुमत से सत्ता में वापस लौटी।

यह उदाहरण देना इसलिए आवश्यक हो गया था कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में जो स्थिति कांग्रेस की हो गई थी, उसमे यही लगने लगा था कि शायद 1885 में बनी देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस लगभग खत्म हो गई। ऐसा हर मध्यम से प्रचारित भी किया गया और विशेष रूप से सत्तारूढ़ भाजपा ने यह नारा दिया कि देश 'कांग्रेस मुक्त' हो गया है और उसका निर्बाध सत्ता में पचास वर्ष तक बने रहना अब सुनिश्चित हो गया है। देश की भोली-भाली जनता से इतने लुभावने वादे किए गए, इतने दिवास्वप्न दिखाए गए कि वह भ्रमित हो गई और आंख मूंदकर वादे (जुमलों) पर विश्वास करने लगी। मार्केटिंग के इस काल में कहा गया- हम प्रतिवर्ष दो करोड़ बेरोजगार युवाओं को नौकरी देंगे, काले धन का जो पैसा विदेशी बैंकों से आएगा उसमें सबकी बराबर की हिस्सेदारी होगी और कम से कम पंद्रह लाख रुपये प्रत्येक व्यक्ति के खाते में जमा कराई जाएगी। जो कुछ पिछले सत्तर वर्षों में कांग्रेस नहीं किया, उसकी भरपाई हम करेंगे। अपनी बातों पर बल देते हुए सभी सत्तारूढ़ भाजपा नेता कहते थे कि पिछले 70 वर्षों में पिछली सरकार ने देशहित में कुछ भी नहीं किया। उनके द्वारा आरोप लगाया जाता था कि कांग्रेस के नेता अपने कार्यकाल में पचास कड़ोड़ की गर्लफ्रेंड रखते थे और कई ऐसे आरोप लगाए जाते थे जो निम्न स्तर के होते थे। इन आरोपों में उनके नेताओं का लक्ष्य एक मात्र गांधी-नेहरू परिवार होता था। इस बात को प्रचारित करने के लिए कि राहुल गांधी पढ़ा-लिखा नहीं है, इसलिए वह 'पप्पू' है। सोनिया गांधी पर तरह—तरह के तंज कसना आम बात हो गई थी। यहां तक कि पार्टी का साधारण प्रवक्ता भी इस परिवार के लिए टीवी कार्यक्रम में आकर सरेआम अनर्गल और अमर्यादित प्रलाप किया करते रहे हैं।

भाजपा के सारे कुतर्कों को राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की लगभग चार हजार किलोमीटर की 'भारत जोड़ो पदयात्रा' ने उनके मंसूबों को ध्वस्त कर दिया। देश ही नहीं, विश्व ने देखा कि जिसे अपमानित करने के लिए सत्तारूढ़ दल ने अपने सारे घोड़े खोल दिए थे।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद खारी ने रोजा इफ्तार पार्टी कर सर्वधर्म सम्मान एवं सौहार्द का दिया परिचय

जोगेंद्र मावी, उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हजारों की तादात में शामिल हुए रोजेदार, कई विधानसभा क्षेत्रों में फैला परचम

हरिद्वार। भाजपा के नेताओं में से पहले नेता प्रमोद खारी ने रोजेदारों के लिए रोजा इफ्तार पार्टी रखते हुए सर्वधर्म सम्मान एवं सामाजिक सौहार्द का परिचय दिया। रोजा इफ्तार पार्टी में हजारों की तादात में शामिल हुए रोजेदारों ने प्रमोद खारी के सामाजिक कार्यों की सराहना की। प्रमोद खारी निरंतर जनता के बीच में पहुंच रहे हैं, उनका कई विधानसभाओं में परचम फैल रहा है।

रविवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद खारी ग्राम बुक्कनपुर में रोजा इफ्तार पार्टी आयोजित कराते हुए उसमें शामिल हुए। रोजा इफ्तार पार्टी में उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स, ग्राम प्रधान बुक्कनपुर के साथ पीकेबी ग्रुप के सदस्य एवं पदाधिकारी शामिल हुए। रोजा इफ्तार पार्टी करते हुए प्रमोद खारी ने कहा कि सम्मान स्तर पर मैत्रीपूर्ण संबंध, सहयोग, समन्वय, समानता और समप्रभुसता सम्पन्न जैसे सिद्धांत तभी ही कायम रह सकते है जब समाज से जातिवाद, धर्मवाद जैसी बुराइयां और कुरीतियां समाप्त होंगी। प्रमोद खारी ने कहा कि आज हर व्यक्ति अपनी और देश की उन्नति के लिए भागदौड़ में लगा हुआ है, सभी को एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए। रोजा इफ्तार पार्टी में शामिल हुए रोजेदारों ने प्रमोद खारी के भावना और प्रेम का सम्मान करते हुए उनके कार्य की सराहना की। प्रमोद खारी का कहना है कि उनके जीवन का उद्देश्य है कि वे जनता की सेवा करें। पीकेबी के प्रदेश अध्यक्ष अंकुर चौहान ने कहा कि प्रमोद खारी जन नेता है, जिसके चलते हुए युवा उन पर भरोसा करते हुए पीकेबी से जुड़ रहे हैं। प्रमोद खारी के निजी सचिव अभिषेक चौहान ने कहा कि समाजसेवा निरंतर जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महामानव के रूप में कार्य कर रहे हैं : भाजपा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश मान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महामानव के रूप में कार्य कर रहे हैं उनके कुशल नेतृत्व में देश के सभी राज्यों में सर्वांगीण विकास के नित नए आयाम स्थापित हो रहे हैं विकास की नई परिभाषा लिखी जा रही है।

उत्तराखंड भाजपा किसान मोर्चा की रुड़की में आयोजित दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की परिचय बैठक में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे प्रदेश प्रभारी मुकेश मान का प्रदेश के सभी जिलों से आये पदाधिकारियों ने स्वागत किया। शुभारंभ सत्र को संबोधित मुकेश मान ने प्रंशसा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में किसान मोर्चा के पदाधिकारी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है मोर्चे के प्रत्येक कार्यकर्ता केन्द्र सरकार द्वारा जनहित में किये जा रहे कार्य और कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार गांव-गांव, घर-घर जाकर करेगा। उन्होंने कहा सामाजिक न्याय समरसता सप्ताह कार्यक्रम के तहत किसान मोर्चा अपने अपने जिलों, मंडलो के ग्रामीण क्षेत्रों में मण्डल स्तर पर पदयात्रा का आयोजन करेगा। प्रदेश में करीब 10 लाख किसान हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, श्री अन्न योजना, अन्नदाता किसान योजना को लेकर सेवा पखवाड़ा के रूप में मना रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर पुडीर के द्वारा सभी पदाधिकारियों को सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए कहा गया तथा केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीतियों को जन-जन पहुंचाने को कहा गया किसान मोर्चा के प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी द्वारा भी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के महामंत्री योगेंद्र चौहान, महेंद्र सिंह नेगी प्रदेश के सभी उपाध्यक्ष, मंत्री गढ़वाल के संयोजक एवं सहसंयोजक कुमाऊं मंडल के संयोजक एवं सहसंयोजक प्रदेश के मीडिया प्रभारी जगमोहन चंद सोशल मीडिया के प्रभारी विकास शर्मा एवं किसान मोर्चा के सभी ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोमवार को गंगा स्नान और विभिन्न मंदिरों के दर्शन करेंगे श्रद्धालु

शदाणी दरबार से पाकिस्तानी श्रद्धालुओं ने निकाली कलश यात्रा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। शदाणी दरबार के सप्तम पीठाधीश्वर संत राजाराम साहिब की 63वीं बरसी पर आयोजित महोत्सव में पहुंचे पाकिस्तान के हिन्दू श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। जबकि शदाणी भक्त निवास में संत समागन का आयोजन किया गया। अ खिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष समेत कई गणमान्य संतों ने हिस्सा लिया।

उत्तरी हरिद्वार में सप्तसरोवर स्थित शदाणी दरबार में आयोजित संत समागन में पहुंचे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी, पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण, महामंडलेश्वर स्वामी हरि चेतनानंद, स्वामी चिदानंद सरस्वती, संजय महंत, महंत रवि देव शास्त्री, साध्वी मैत्री गिरी का नवम पीठाधीश्वर संत डॉ युधि ष्ठिर लाल ने स्वागत किया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने संत डॉ. युधिष्ठिर लाल धर्म के संरक्षण, संवर्धन में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच अध्यात्मिक यात्रा में शदाणी दरबार सेतु के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रेम निभाने से समरसता आएगी, जो कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप होकर देश के विकास में अमूल्य योगदान देगी। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि शदाणी दरबार द्वारा भारतीय सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। हर साल शदाणी दरबार द्वारा पाकिस्तान के हिन्दू तीर्थ यात्रियों को भारत की यात्रा कराकर गंगा और सिंधु नदी का मेल कराने का कार्य अनुकरणीय है। महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद ने कहा कि संत युधिष्ठिर लाल भारत के श्रद्धालुओं को

शदाणी घाट तक निकाली गई कलश यात्रा

शदाणी दरबार के नवम पीठाधीश्वर संत युधिष्ठिर लाल के नेतृत्व में पाकिस्तानी श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। महिलाएं अपने सिर पर जल कलश लेकर यात्रा में शामिल हुई। सप्तसरोवर रोड, भारत माता मंदिर से होते हुए यात्रा शदाणी घाट पर पहुंची। माता दीपिका शदाणी, इजना देवी, रेखा देवी, सुरा बाई, रेशमा देवी, राधिका, बेबी बाई, माया बाई, लाजी बाई, साना देवी, जयवती देवी आदि मौजूद रही।

पाकिस्तान और पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं को भारत भ्रमण कराकर सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में विशेष भूमिका निभा रहे हैं। इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। शदाणी दरबार के नवम पीठाधीश्वर संत युधिष्ठिर लाल ने कहा कि शदाणी दरबार तीर्थ मूल रूप से पाकिस्तान में स्थित सिंध क्षेत्र में करीब 315 साल पहले 1708 में स्थापित हुआ था। तब से भारत और पाकिस्तान के के बीच रिश्ता बना हुआ है। हर साल सिंध से हिन्दू तीर्थ यात्री भारत आते हैं और शदाणी दरबार के कार्यक्रम में शामिल होते हैं।

देवभूमि पूर्व सैनिक एसोसिएशन के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी रविवार को हरिद्वार पहुंचे। जहां उन्होंने देवभूमि पूर्व सैनिक कल्याण समिति हरिद्वार के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों द्वारा सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी का भव्य रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने वीर नारियों पूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति के लिए बच्चो को भी पुरुस्कृत किया गया।

सैनिकों के कार्यक्रमो में मैं एक मंत्री के रूप में नहीं एक पूर्व सैनिक के तौर पर आता हूं : जोशी

अपने संबोधन के दौरान सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मैं सैनिकों के कार्यक्रमों में एक मंत्री के रूप में नहीं बल्कि एक पूर्व सैनिक होने के नाते आता हूं। उन्होंने कहा जब मैं सैनिकों के कार्यक्रम में जाता हूं तो एक परिवार के बीच होने का एहसास होता है। मंत्री जोशी ने कहा मैं किसी भी सैनिकों के कार्यक्रम को नहीं छोड़ता हूं, क्योंकि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दीपावली सैनिकों के साथ बॉर्डर पर मनाते हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा हमारे प्रदेश के मुखिया भी एक सैनिक के बेटे है। मंत्री जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में वीरों की भूमि है, देश की रक्षा के लिए सीमा पर खड़ा हर पांचवा सैनिक उत्तराखंड से होता है। उन्होंने कहा आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में सैनिकों पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण अनेक योजनाएं संचालित की है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में सरकार ने सैनिकों को उनके शौर्य के लिए मिले मेडल के आधार पर राशि को बढ़ाया गया है। परमवीर चक्र पाने वाले बहादुर सैनिक को 30 लाख रूपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किए गए।

मंत्री जोशी ने कहा देहरादून के गुनियालगांव में पांचवे धाम के रूप में भव्य सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है। जिसका कार्य गतिमान है। उन्होंने कहा निर्माणाधीन सैन्यधाम के लिए प्रदेश के 1734 शहीद सैनिकों के आंगन से कलश में मिट्टी लायी गयी है जिसे यहां बनने वाली अमर जवान ज्योति की नींव में रखा गया है।उन्होंने कहा सैन्य धाम के प्रवेश द्वार का नाम पूर्व सीडीएस जनरल विपिन रावत के नाम से रखा जा रहा है। वहीं प्रांगण में बाबा जसवंत सिंह और हरभजन सिंह का मंदिर भी बनाया जा रहा है। मंत्री जोशी ने कहा सैनिकों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए राज्य सरकार वचनबद्ध है।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने सभी पूर्व सैनिकों को वर्सिकोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने भूमा पीठाधीश्वर स्वामी अच्युतानंद तीर्थ महाराज जी एवं श्री निर्मल पंचायती अखाड़े के कोठारी महंत जसविंदर सिंह शास्त्री महाराज जी का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर ब्रह्म स्वरूप शर्मा, मुकेश कुमार चंदोलिया, विजय शंकर चौबे, दिनेश चंद सकलानी, योगेंद्र पुरोहित, मनोज भट् सहित कई लोग उपस्थित रहे।

गीता भवन ट्रस्ट सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। प्रतिनिधिमंडल में संस्था के संरक्षक स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती, महामंत्री सुनील गर्ग, संयोजक अंशुल श्री कुंज, स्वामी वेदान्त प्रकाश शामिल थे। स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने मुख्यमंत्री को संस्था द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी व हरिद्वार आने का न्यौता दिया। मुख्यमंत्री ने बीते दिनों पावन धाम में लगे कैंसर कैम्प की तारीफ़ की तथा संस्था को लोक कल्याण के हर काम में सरकार के सहयोग का आश्वासन दिया। संस्था के महामंत्री सुनील गर्ग ने कहा की पिछले 5 दशकों से पावन धाम का संचालन ट्रस्ट द्वारा बेहतरीन ढंग से किया जा रहा है। पावन धाम हरिद्वार की पहचान है। देश दुनिया के धर्म जिज्ञासुओं के लिए पावन धाम एक आध्यात्मिक केंद्र है। संस्था के संयोजक अंशुल श्री कुंज ने मुख्यमंत्री को संस्था द्वारा बनाए जा रहे पैथोलॉजी व स्कैन सेंटर की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री धामी ने शॉल ओढ़ाकर स्वामी चिन्मयानंद का सम्मान किया।

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर विधायक रवि बहादुर ने सौंपा मुख्यमंत्री को ज्ञापन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण और विकास कार्यों के लिए विधायक रवि बहादुर ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। रविवार को विधायक रवि बहादुर ने देहरादून पहुंचकर मुख्यमंत्री को ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ क्षेत्र में विकास कार्यों में हो रही देरी पर चर्चा कर विकास कार्यों को तेजी से करवाने का ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही घाड़ क्षेत्र की जनता की मांग पर क्षेत्र में 50 बेड का अस्पताल बनवाने का आग्रह किया। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री को भी ज्ञापन सौंपा गया था। पूर्व की सरकार द्वारा टोंगिया गांव को राजस्व गांव घोषित किया गया लेकिन अभी तक ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। टोंगिया गांव को जल्द से जल्द राजस्व गांव घोषित किया जाए जिससे ग्रामीणों को उनका अधिकार मिल सके। सहदेवपुर से बोडाहेडी सड़क निर्माण, बडी लाम से लालवाला मजबता होते हुए कान्या नदी को जाने वाले मार्ग निर्माण, फतेहपुर खेड़ी शिकोहपुर 7 किमी सड़क निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए सड़क निर्माण कार्य को जल्द शुरू करवाया जाए। सड़क नहीं बनने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बेगमपुर औद्योगिक क्षेत्र को सिडकुल में शामिल किया जाना बहुत आवश्यक है। जिससे रोजगार बढ़ेगा और सड़क, बिजली, पानी की भी सुविधा मिलेगी। जब से औद्योगिक क्षेत्र बना है तब से कोई विकास कार्य नहीं हुए। ग्राम बंदरजूड स्थित महिला आईटीआई को शुरू करवाया जाए। वर्ष 2016 में करोड़ों रुपए खर्च कर आईटीआई भवन तो तैयार हो गया लेकिन एक भी नियुक्ति नहीं हुई। विधायक ने बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध हैं और उसके लिए मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय तक भी जाना पड़ेगा तो जाएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा क्षेत्र के विकास का आश्वासन दिया गया।

उत्तराखंड ब्राह्मण समाज के पंडित विशाल शर्मा बने ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश संयोजक

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। लगातार उपेक्षित महसूस कर रहे ब्राह्मण समाज से जुड़े करीब 3 दर्जन संगठनों के प्रतिनिधियों की रविवार को परशुराम धर्मशाला में हुई बैठक के बाद समाज की लड़ाई को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से उत्तराखंड ब्राह्मण महासंघ का गठन किया गया है। महासंघ ब्राह्मण समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ने का काम करेगा। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि ब्राह्मण समाज की बहुप्रतीक्षित मांग परशुराम जयंती पर राज्य सरकार ने अवकाश नहीं घोषित किया तो आगामी चुनाव में समाज सरकार को वोट की चोट देंगे। यह जानकारी रविवार को प्रेस क्लब सभागार में पत्रकारों से बात करते हुए उत्तराखंड ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश संयोजक नियुक्त किए गए पंडित विशाल शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 25लाख से अधिक संख्या होने के बावजूद ब्राह्मण समाज आज भी उपेक्षित है क्योंकि ब्राह्मणों की कोई राजनीतिक शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में इतनी संख्या में पंडितों के होने के बावजूद हम धीरे-धीरे कश्मीरी पंडितों जैसा हाल में पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे समुदायों के पर्वो पर जहां सरकार अवकाश घोषित कर देती है, वहीं कई वर्षों से भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव पर अवकाश की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने बताया कि इन्हीं सब मुद्दों को लेकर आज परशुराम धर्मशाला बैरागी कैंप में 35 संगठनों के प्रतिनिधियों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें भविष्य की लड़ाई लड़ने की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश और देश में आरक्षण का आधार आर्थिक होना चाहिए क्योंकि अब आरक्षण के दम पर जहां कुछ खास वर्ग लगातार आर्थिक रूप से मजबूत होते जा रहे हैं वहीं आरक्षण की वजह से ब्राह्मण समाज के बच्चे आत्महत्या करने पर मजबूर हैं उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि 22 अप्रैल को परशुराम प्राकट्योत्सव पर अगर सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं करती है तो समाज आगामी चुनावों में उन्हें वोट की चोट देंगे इस दौरान महासंघ के कई प्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने बताया कि श्री गंगा सभा के अध्यक्ष पंडित नितिन गौतम को गढ़वाल मंडल का तथा पंडित सुरेश चंद्र शर्मा को कुमाऊ का महासंघ सलाहकार नियुक्त किया गया है प्रदेश संयोजक पंडित विशाल शर्मा ने बताया कि देहरादून में बैठक कर प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। बैठक का संचालन बालकृष्ण शास्त्री एवं डॉ वी. डी. शर्मा नें किया। इस मौके पर मनोज गौतम, जे.पी. जुयाल, डॉ. बृजेश सती, सुरेश चन्द शर्मा, जुगुल बल्लभ गोस्वामी, पंडित हेम भट्ट पंडित उमेश जोशी पंडित गोविन्द पांडे पंडित गोरव शर्मा विवेक तिवारी मुरली शर्मा अनिरुद्ध उनियाल पंडित नवीन नेंथानी अरुण शर्मा विपिन शर्मा, राजकुमार शर्मा मनोज शुक्ला विकास शर्मा,रजनीकांत सेमवाल शुसील तिरपाठी केशव पांडे विश्वास शर्मा प्रमोद सारस्वत अजय वसिष्ठ श्रीमती भारती व्यास, हर्षनिधि शर्मा, रजनीकान्त सेमवाल, सुजीत शुक्ला, प्रकाश त्यागी डॉक्टर शक्ति धर शर्मा मनमोहन शर्मा, अनिरूद्ध उनियाल, अरूण शर्मा, अरविन्द भारद्वाज, सुभाष चन्द शर्मा, पवन शर्मा प्रधान, गोविन्द पाण्डे, पं. गौरव शर्मा, आनन्द शर्मा, राजीव थपलियाल, विश्वास शाण्डिल्य सहित पूरे उत्तराखण्ड से पहुंचे ब्राह्मण प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिये।

वैश्विक हालात से जीडीपी वृद्धि में आएगी सुस्ती, भारत अधिक जुझारू: दीपक पारेख

नई दिल्ली। पारेख ने एसपीजेआईएमआर के सेंटर फॉर फेमिली बिज़नेस एंड आंत्रप्रेन्योरशिप समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत वैश्विक आघातों के असर से मुक्त नहीं है लेकिन दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में इसने कहीं अधिक जुझारूपन दिखाया है।

निजी क्षेत्र के आवासीय ऋणदाता एचडीएफसी के चेयरमैन दीपक पारेख ने शनिवार को कहा कि वैश्विक प्रतिकूलताओं की वजह से भारत की आर्थिक वृद्धि दर के सुस्त पड़ने की आशंका होने के बावजूद देश दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं अधिक जुझारू है। पारेख ने एसपीजेआईएमआर के सेंटर फॉर फेमिली बिज़नेस एंड आंत्रप्रेन्योरशिप समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत वैश्विक आघातों के असर से मुक्त नहीं है लेकिन दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में इसने कहीं अधिक जुझारूपन दिखाया है।

उन्होंने कहा, वैश्विक प्रतिकूलताओं की वजह से निश्चित तौर पर भारत के सकल आर्थिक उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सुस्त होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिरता, टीका सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, घरेलू खपत पर आधारित सशक्त अर्थव्यवस्था, डिजिटलीकरण के लिए उठाए गए कदम और वित्तीय क्षेत्र के लिए एक मजबूत नियामकीय प्रणाली के रूप में भारत के पास पर्याप्त अनुकूलताएंहैं। पारेख ने कहा कि देश में स्टार्टअप के लिए मददगार परिवेश होने से भारत में उद्यमिता में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है और आज के समय में भारत स्टार्टअप की संख्या के मामले में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

उन्होंने कहा, हाल के समय में भू-राजनीति का भू-अर्थशास्त्र पर दबदबा रहा है और व्यापार, सेवाओं, प्रौद्योगिकी, पूंजी प्रवाह और श्रमबल की आवाजाही पर भी इसका असर देखने को मिला है। इस समारोह में मौजूद केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश को शिक्षा एवं शोध के केंद्रों की जरूरत है जो युवाओं का मार्गदर्शन करने के साथ उन्हें समुचित नजरिया भी दे सकें। गडकरी ने कहा, देश को सही मायनों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसी प्रौद्योगिकी के विकास की जरूरत है जो आयात घटाने में मदद कर सके। उन्होंने युवा उद्यमियों से ग्रामीण एवं आदिवासी इलाकों पर खास ध्यान देने का अनुरोध भी किया।

दिल्ली में सीएनजी, रसोई गैस की कीमतों में छह रुपये तक की कटौती

नई दिल्ली। दिल्ली में सीएनजी और पाइपलाइन गैस की खुदरा बिक्री करने वाली फर्म इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक ट्वीट में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में सीएनजी की कीमत 79.56 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 73.59 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

दिल्ली में सीएनजी और पाइपलाइन वाली घरेलू रसोई गैस (पीएनजी) की कीमतों में शनिवार को छह रुपये तक की कटौती कर दी गई। यह करीब दो साल में गैस कीमतों में हुई पहली कटौती है। सरकार ने एक दिन पहले ही प्राकृतिक गैस की कीमत निर्धारण करने का नया फॉर्मूला लागू किया था। उस फैसले के बाद राष्ट्रीय राजधानी में सीएनजी और पीएनजी की कीमतें कम हुई हैं। दिल्ली में सीएनजी और पाइपलाइन गैस की खुदरा बिक्री करने वाली फर्म इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक ट्वीट में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में सीएनजी की कीमत 79.56 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 73.59 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

आईजीएल के अनुसार, इसी तरह दिल्ली में पाइपलाइन वाली घरेलू रसोई गैस की कीमत 53.59 प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) से घटकर 48.59 रुपये प्रति एससीएम हो गई है। नई कीमतें नौ अप्रैल से लागू होंगी। पीटीआई-द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि गैस कीमतों में दो साल में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि होने के बाद यह कटौती की गई है। सीएनजी कीमतें अप्रैल, 2021 से दिसंबर, 2022 के बीच 15 बार बढ़ाई गईं। अप्रैल, 2021 के बाद सीएनजी की कीमतों में प्रति किलोग्राम 36.16 रुपये (83 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है। सीएनजी की कीमत अंतिम बार 17 दिसंबर, 2022 को बढ़ाई गई थी। इसी तरह पीएनजी की कीमत सात अगस्त, 2021 से आठ अक्टूबर, 2022 के बीच 10 बार बढ़ाई गई। इसकी कीमतों में 24.09 रुपये प्रति एससीएम यानी 81 प्रतिशत वृद्धि हुई। आईजीएल ने कहा कि दिल्ली में सीएनजी और पीएनजी की खुदरा कीमतें देश में सबसे कम स्तर पर हैं।

REC ने हरित बॉन्ड से जुटाए 75 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। ऊर्जा क्षेत्र को वित्त मुहैया कराने वाली आरईसी लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि उसने हरित बॉन्ड जारी कर 75 करोड़ डॉलर (करीब 6,138 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। सरकारी स्वामित्व वाली इस कंपनी ने एक बयान में कहा कि हरित बॉन्ड से जुटाई गई इस राशि का इस्तेमाल हरित परियोजनाओं को वित्त मुहैया कराने में किया जाएगा। इसके लिए रिजर्व बैंक से समय-समय पर जारी होने वाले प्रावधानों एवं निर्देशों का अनुपालन किया जाएगा। बयान के मुताबिक, आरईसी लिमिटेड ने पांच साल की अवधि वाले हरित बॉन्ड के जरिये 75 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। यह सात अरब डॉलर के वैश्विक मध्यावधि कार्यक्रम का हिस्सा है। आरईसी ने कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र की इस बॉन्ड बिक्री में हिस्सेदारी 42 प्रतिशत रही जबकि यूरोप, पश्चिम एशिया एवं अफ्रीकी बाजार की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और अमेरिका की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत रही। इस हरित बॉन्ड के साथ आरईसी ने वर्ष 2021 के बाद पूंजी बाजार में वापसी की है। किसी भी भारतीय गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी की तरफ से डॉलर में की गई यह सर्वाधिक बॉन्ड बिक्री है।

Macrotech डेवलपर्स ने बीते वित्त वर्ष में 12 भूखंडों को जोड़ा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स ने नई परियोजनाओं के विकास के लिए बीते वित्त वर्ष (2022-23) में लगभग 20,000 करोड़ रुपये बिक्री राजस्व की संभावना वाले 12 भूखंडों को अपने साथ जोड़ा है। लोढ़ा ब्रांड के अंतर्गत संपत्तियों की बिक्री करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स अपने कारोबार विस्तार के लिए जमीन का अधिग्रहण करने के साथ भूखंड स्वामियों के साथ संयुक्त विकास समझौतों (जेडीए) भी करती है। इसका मुख्य ध्यान मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे बाजार है। इसने हाल में बेंगलुरु में भी कारोबार शुरू किया है। मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक लोढ़ा ने कहा, "हम जेडीए साझेदारी के लिए विभिन्न भूस्वामियों के लिए पसंदीदा भागीदार बने हुए हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 32.9 करोड़ डॉलर घटकर 578.44 अरब डॉलर पर

मुंबई (वार्ता)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में कमी आने से 31 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 32.9 करोड़ डॉलर घटकर 578.44 अरब डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 5.98 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 578.8 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.6 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 509.69 अरब डॉलर हो गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 27.9 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 45.20 अरब डॉलर पर रहा। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 2.7 करोड़ डॉलर गिरकर 18.39 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 5.16 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

EMI पर मिलने लगे फलों के राजा अल्फांसो

नई दिल्ली। अपने खास स्वाद के लिए दुनिया भर में मशहूर अल्फांसो आम के दाम में बेतहाशा बढ़ोतरी को देखते हुए पुणे के एक कारोबारी ने फलों के राजा को खरीदने के लिए ग्राहकों को आसान मासिक किस्तों की अनूठी सुविधा पेश की है। महाराष्ट्र के देवगढ़ एवं रत्नागिरि में पैदा होने वाले अल्फांसो को हापुस आम के नाम से भी जाना जाता है। आम की तमाम किस्मों में अल्फांसो को सबसे अच्छा माना जाता है। लेकिन अपने बेहतरीन स्वाद एवं कम उत्पादन की वजह से इसके दाम अक्सर आम लोगों की पहुंच से बाहर ही रहते हैं।

इस साल भी अल्फांसो आम खुदरा बाजार में 800 रुपये से 1,300 रुपये प्रति दर्जन के भाव पर बिक रहा है। ऐसी स्थिति में आम लोगों तक इस खास आम का स्वाद पहुंचाने के लिए गौरव सनस नाम के कारोबारी एक अनूठी पेशकश लेकर आए हैं। वह अल्फांसो को अब किसी महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की तरह आसान मासिक किस्त यानी ईएमआई पर भी बेचने को तैयार हैं। सनस ने पीटीआई-के साथ बातचीत में कहा, बिक्री शुरू होते ही अल्फांसो के दाम बहुत ऊपर जा चुके हैं। ऐसी स्थिति में अगर अल्फांसो को भी ईएमआई पर दिया जाए तो हर कोई इसका स्वाद ले सकता है।

फल कारोबार से जुड़ी फर्म गुरुकृपा ट्रेडर्स एंड फ्रूट प्रोडक्ट्स के सनस का दावा है कि पूरे देश में ईएमआई पर आम बेचने वाला पहला प्रतिष्ठान उनका है। उन्होंने कहा, हमने सोचा कि अगर फ्रिज, एसी और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को ईएमआई पर खरीदा जा सकता है तो फिर आम को क्यों नहीं? इस तरह हर कोई इस आम को खरीद सकता है। कोई भी व्यक्ति ईएमआई पर मोबाइल फोन खरीदने की ही तरह उनकी दुकान से अल्फांसो को किस्त पर खरीद सकता है। इसके लिए ग्राहक के पास क्रेडिट कार्ड होना चाहिए और फिर खरीद मूल्य को तीन, छह या 12 महीनों की किस्तों में बदल दिया जाता है। हालांकि सनस की दुकान पर अल्फांसो को ईएमआई पर खरीदने के लिए कम-से-कम 5,000 रुपये की खरीदारी करनी जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए अब तक चार लोग आगे भी आ चुके हैं।

कभी हार नहीं मानूंगा, वानखेड़े पर टेस्ट खेलना चाहता हूं: रहाणे

मुंबई, (भाषा)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे ने कभी हार नहीं मानी और वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2023 का सबसे तेज अर्धशतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान करने वाला यह बल्लेबाज अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट मैच खेलने को तरस रहा है। सीएसके के लिए पदार्पण करते हुए रहाणे ने केवल 27 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 61 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान सिर्फ 19 गेंद पर सत्र का सबसे तेज अर्धशतक बनाया। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 158 रन का पीछा करते हुए सुपरकिंग्स ने 18.1 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर जीत दर्ज की।

रहाणे ने शनिवार को मीडिया से कहा, मैं हमेशा वानखेड़े में खेलने का लुत्फ उठाता हूं। मैंने यहां कभी टेस्ट नहीं खेला है। मैं यहां एक टेस्ट खेलना चाहता हूं। रहाणे को शुरुआती एकादश में नहीं खेलना था लेकिन मोईन अली के चोटिल होने के कारण उन्हें मौका मिला। उन्होंने कहा, अब भी काफी लंबा सफर बाकी है। आज शुरुआती एकादश में अपनी जगह को लेकर मैं सुनिश्चित नहीं था। मुझे टॉस से ठीक पहले पता चला, मेरे लिए यह एक समय में एक मैच खेलने और उस लम्हें में रहने के बारे में है। रहाणे ने कहा, कुछ भी हो सकता है। आज मैं अपने खेल को लेकर सुनिश्चित नहीं था। मैं कभी हार नहीं मानूंगा। यह आनंद और जुनून के साथ खेलने के बारे में है। जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे के बाद रहाणे को टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया था। चेतेश्वर पुजारा बाद में टीम में वापसी करने में सक्षम रहे लेकिन रहाणे ऐसा नहीं कर सके।

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने कहा कि रहाणे की पारी से ज्यादा उनकी टीम को रविंद्र जडेजा और मिशेल सेंटनर की स्पिन गेंदबाजी ने नुकसान पहुंचाया। बाउचर ने कहा, पर्याप्त रन नहीं बनाने के बाद हमारे गेंदबाजों और उनके बल्लेबाजों के बीच मुकाबला नहीं था विशेषकर अब टी20 क्रिकेट में इंपेक्ट प्लेयर के आने के बाद। उन्होंने कहा, आज हमारे पास सात प्रमुख बल्लेबाज थे लेकिन आठ विकेट पर 157 रन काफी अच्छा स्कोर नहीं था।

उस शुरुआत (छह ओवर में एक विकेट पर 61 रन) के साथ हमें शायद 180 से 190 रन बनाने चाहिए थे और फिर हम अपनी गेंदबाजी से प्रभाव डाल सकते थे। बाउचर ने कहा, रहाणे ने कुछ अच्छे क्रिकेट शॉट खेले लेकिन मुझे लगता है कि यह उस गेंदबाजी के बारे में अधिक है जिसने हमें नुकसान पहुंचाया। गेंदबाजी ने हमें रहाणे की बल्लेबाजी से ज्यादा नुकसान पहुंचाया।

हैलेंड के दो गोल से मैनचेस्टर सिटी जीता

मैनचेस्टर, (एपी)। एर्लिंग हैलेंड के दो गोल से मैनचेस्टर सिटी ने शनिवार को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में साउथम्पटन के खिलाफ 4-। की आसान जीत दर्ज की।

सिटी के साथ पहले सत्र में खेल रहे हैलेंड के इन दो गोल के साथ मौजूदा सत्र में 30 गोल हो गए हैं। टीम की ओर से दो अन्य गोल जैक ग्रीलिश और जूलियन अल्वारेज ने दागे। साउथम्पटन की ओर से एकमात्र गोल सेकोउ मारा ने किया।

इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी ने खिताब की दौड़ में आर्सेनल पर दबाव बनाए रखा है। आर्सेनल ने हालांकि अंक तालिका के शीर्ष पर पांच अंक की बढ़त बना रखी है। आर्सेनल ने 29 मैच में 72 अंक हैं जबकि दूसरे स्थान पर चल रहे मैनचेस्टर सिटी के इतने ही मैच में 67 अंक हैं।

आर्सेनल और सिटी के बाद शीर्ष चार में शामिल होने वाली दो टीम को लेकर भी जंग तेज हो गई है। शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में न्यूकासल, मैनचेस्टर यूनाइटेड और टोटेनहैम शामिल हैं।

न्यूकासल ने ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ पिछडने के बाद वापसी करते हुए डेविड राया के आत्मघाती गोल से 2-। से जीत दर्ज की। न्यूकासल की ओर से एक अन्य गोल एलेक्सांद्र इसाक ने किया।

मैनचेस्टर यूनाईटेड ने एवर्टन को 2-0 से हराया जबकि टोटेनहैम ने ब्राइटन को 2-। से शिकस्त दी।

अतंरराष्ट्रीय

विदेश मंत्री एस जयशंकर युगांडा और मोजाम्बिक की छह दिवसीय यात्रा पर जाएंगे

युगांडा । विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार को युगांडा और मोजाम्बिक की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने रविवार को यह जानकारी दी। एमईए के मुताबिक, विदेश मंत्री का पहला गंतव्य युगांडा होगा।

मंत्रालय ने कहा, विदेश मंत्री 10 से 12 अप्रैल तक युगांडा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान, वह युगांडा के विदेश मंत्री जनरल जे जे ओडोंगो के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत कर सकते हैं। उनके देश के नेतृत्व और अन्य मंत्रियों से मुलाकात करने की भी संभावना है। मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर जिंजा (युगांडा) में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) के ट्रांजिट परिसर का उद्घाटन भी करेंगे। एमईए ने बताया कि जयशंकर की यात्रा के दौरान भारत के बाहर एनएफएसयू का पहला परिसर स्थापित करने को लेकर भारत और युगांडा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की भी उम्मीद है।

मंत्रालय के मुताबिक, जयशंकर युगांडा में सौर ऊर्जा पर आधारित एक जलापूर्ति परियोजना के शिलान्यास समारोह में भी हिस्सा लेंगे।

सीरिया से रॉकेट दागे जाने के बाद इजराइली सेना ने जवाबी हमले किए

यरूशलम। इजराइल की सेना ने कहा कि सीरियाई क्षेत्र से छह रॉकेट दागे जाने के बाद उसकी सेना ने रविवार तड़के सीरिया में जवाबी हमले किए।

पहला हमला शनिवार को हुआ था, जिसमें एक रॉकेट इजराइल द्वारा देश में शामिल किए गए गोलान हाइट्स के एक खेत में गिरा था। वहीं, तबाह की गई एक अन्य मिसाइल के टुकड़े सीरिया की सीमा के पास जॉर्डन के क्षेत्र में गिरे। जॉर्डन की सेना ने इसकी पुष्टि की। हमलों में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बेरूत के अल मयादीन टीवी ने खबर दी है कि दमिश्क स्थित फलस्तीनी समूह ने शनिवार को तीन मिसाइलें दागने की जिम्मेदारी ली है। यह समूह सीरियाई सरकार के प्रति वफादार माना जाता है।

खबर में अल कुदुस ब्रिगेड के हवाले से कहा गया है कि फलस्तीनी समूह ने अल-अक्सा मस्जिद पर पुलिस के छापे के जवाब में ए रॉकेट दागे हैं। इजराइली सेना ने शुरू में कहा था कि दूसरे हमले में जब तीन रॉकेट दागे गए, तो उसने सीरिया के उन इलाकों में पोत से गोलाबारी की, जहां से ए रॉकेट दागे गए थे। बाद में सेना ने कहा कि इजराइली लड़ाकू विमानों ने सीरियाई सेना के ठिकानों पर हमला किया है, जिसमें सीरियाई फोर्थ डिविजन का परिसर और राडार एवं तोपखाना चौकियां शामिल हैं। इजराइली सेना ने कहा कि रविवार तड़के दो रॉकेट इजराइल की सीमा में दागे गए, जिनमें से एक को हवा में ही मार गिराया गया, जबकि दूसरा खुले इलाके में गिरा। इस बीच, फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि कब्जाए गए वेस्ट बैंक के अज़्ज़ोन शहर में इजराइली सुरक्षा बलों ने 20 वर्षीय फलस्तीनी युवक को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के विरोध में इलाके में प्रदर्शन शुरू हो गए। इजराइली सेना ने कहा है कि सैनिकों ने पथराव कर रहे और विस्फोटक उपकरण फेंक रहे फलस्तीनियों पर गोली चलाई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इजराइली सेना की कार्वाई में मारे गए युवक की पहचान आइद सलीम के तौर पर की है।

सीरिया से ए रॉकेट हमले इजराइली पुलिस की ओर से यरूशलम में स्थित अल अक्सा मस्जिद परिसर में मारे गए छापे की पृष्ठभूमि में किए गए हैं।

छोटी खबरें

सुकमा में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, चार नक्सलियों के घायल होने की सूचना

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में आज पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में चार से अधिक नक्सलियों के घायल होने की खबर है। इलाके में सर्चिंग की जा रही है। सुकमा पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने बताया कि कल पोलमपल्ली थाने के अंतर्गत पालामड़गु गांव में साप्ताहिक बाजार था। तीन व्यापारी अपनी मोटर साइकिल में सवार होकर देर शाम अपने गांव दोरनापाल के लिए रवाना हुए। रास्ते में नक्सलियों ने इन तीनों फुटकर व्यापारियों को रोककर मारपीट की। इतनी मारपीट की कि एक व्यापारी प्रदीप बघेल की घटना स्थल पर मौत हो गई और दो लोग प्रधान सुनानी, गोपाल बघेल घालय हो गए। उन दोनों को दोरनापाल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जिनका उपचार चल रहा है। शर्मा ने बताया कि इसी तारतम्य में नक्सली की खोज में आज सुबह भेज्जी थाना क्षेत्र से स्पेशल टास्क फोर्स और जिला पुलिस रिजर्व का एक दल रवाना किया गया। जैसे ही दल पालमगुड़ा के पास पहुंचा, घात लगाए नक्सलियों ने पुलिस पर गोलीबारी की। दोनों ओर से आधे घंटे तक गोलीबारी हुई। मौके पर भारी मात्रा में खून के धब्बे दिखे, जिससे मालूम हुआ कि तीन-चार नक्सलियों की घायल होने आशंका जताई जा रही है। इलाके में सर्चिंग की जा रही है।

बैडमिंटन टूर्नामेंट का सिटी स्पोर्ट्स कंपलेक्स में हुआ आयोजन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। रविवार को इंडियन डेंटल एसोसिएशन हरिद्वार शाखा हरिद्वार एवं रुड़की के दंत चिकित्सकों के बीच बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन सिटी स्पोर्ट्स कंपलेक्स में किया गया। जिसमे कुल 05 फॉर्मेट में मैच खेले गए, जिसमे 40 डॉक्टरो ने प्रतिभाग किया। टूर्नामेंट में पुरुष सिंगल सेमी फाइनल के रोमांचक मैच में डॉ. नीरज ने फाइनल में जीत दर्ज की। महिला सिंगिल में डॉ. आरुषि ने जीत दर्ज की, पुरुष डबल में डॉ. नीरज, डॉ. गगन ने जीत दर्ज की। महिला डबल में डॉ. प्रियंका, डॉ. सिन्की, मिक्स डबल में डॉ. आरुषि व डॉ. आकाश ने जीत दर्ज की । आयोजन में मनोज गर्ग पूर्व मेयर हरिद्वार, अंतर्राष्ट्रीय शूटर लोकपाल सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरिद्वार नगर सम्पर्क प्रमुख अमित शर्मा मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे तथा उन्होंने विजई खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट का आयोजन आईडीए हरिद्वार के डॉक्टर सुखपाल, डॉक्टर वेदर एवं डॉक्टर कुलदीप सिंह ने किया। मैच में मुख्य रूप से डॉ. प्रियंका, डॉ. राहुल, डॉ. कुलदीप, डॉ. तनु, डॉ. विश्वास, डॉ. हिमांश , डॉ. चांदनी, डॉ. सिन्की, डॉ. ओसीन आदि उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने किया बांदीपुर टाइगर रिजर्व का दौरा, ऑस्कर विजेता बोमन-बेली से भी की बात

मैसूरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक के बांदीपुर टाइगर रिजर्व (बीटीआर) में छलावरण वाले कपड़े और टोपी पहने सफारी करते नजर आए। पीएम मोदी ने बीटीआर में 22 किलोमीटर की सफारी के बाद पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के सीमावर्ती चामराजनगर जिले में मुदुमलाई टाइगर रिजर्व (एमटीआर) में थेप्पाकडू हाथी शिविर पहुंचे और ऑस्कर पुरस्कार विजेता वृत्तचित्र 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' के मुख्य सितारों बोमन-बेली युगल के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री का यह दौरा सफारी प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने के कार्यक्रमों का एक हिस्सा है। उन्होंने संरक्षण गतिविधियों में शामिल फ्रंटलाइन फील्ड स्टाफ और एसएचजी के साथ बातचीत की।

उल्लेखनीय है कि चुनावी राज्य कर्नाटक में पीएम मोदी का यह 8वां दौरा है और उन्होंने वन्यजीव अभयारण्य में दो घंटे बिताए। बीटीआर के अधिकारियों ने बताया कि नौ अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के मद्देनजर बांदीपुर टाइगर रिजर्व में और उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इसके बाद पीएम मोदी ने तमिलनाडु की सीमा से लगे चामराजनगर जिले के मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाकडू हाथी शिविर का दौरा किया और ऑस्कर विजेता सितारों के साथ बातचीत की। साथ ही उन्होंने हाथी शिविर के महावतों और कावड़ियों के साथ भी बातचीत की। कर्नाटक में मैसूरु-ऊटी राजमार्ग पर विशाल पश्चिमी घाटों के सुरम्य परिवेश के बीच स्थित बीटीआर नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके उत्तर पश्चिम में कर्नाटक के राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान (नागराहोल) है। इसके उत्तर में तमिलनाडु का मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य है। दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम में केरल का वायनाड वन्यजीव अभयारण्य है। कभी पूर्व महाराजाओं के निजी शिकार के मैदान और नीलगिरि की तलहटी में बसे, बांदीपुर में बाघों के साथ एक लंबा रिश्ता रहा है। पक्षियों की 200 से अधिक प्रजातियां और वनस्पतियों की विविधता इसके आकर्षण को बढ़ाती है। बांदीपुर में सागौन, शीशम, चंदन, भारतीय-लॉरेल, भारतीय किनो पेड़, विशाल गुच्छेदार बांस सहित इमारती लकड़ी के पेड़ों की एक विस्तृत श्रृंखला है।

द्रौपदी मुर्मू ने लड़ाकू विमान सुखोई में भरी उड़ान

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को वायु सेना के तेजपुर बेस से लड़ाकू विमान सुखोई में उड़ान भरी। असम की यात्रा पर गई तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती मुर्मू सुबह तेजपुर वायु सैनिक अड्डे पहुंची और उन्होंने करीब आधे घंटे तक सुखोई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। उनका विमान ब्रह्मपुत्र नदी और तेजपुर घाटी के ऊपर से गुजरते हुए वापस तेजपुर वायु सैनिक अड्डे पहुंचा। इस विमान को 106 स्क्वाड्रन के कमांडिंग अफसर ग्रुप कैप्टन नवीन कुमार ने उड़ाया। विमान समुद्र तल से करीब दो किलोमीटर की ऊंचाई पर रहा और इसकी गति 800 किलोमीटर प्रति घंटा रही। श्रीमती मुर्मू सुखोई में उड़ान भरने वाली देश की तीसरी राष्ट्रपति और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम और प्रतिभा पाटिल भी इसमें उड़ान भर चुके हैं। बाद में राष्ट्रपति ने आगंतुक पुस्तिका में लिखा, "सुखोई लड़ाकू विमान में उड़ान भरना मेरे लिए रोमांचक अनुभव था । यह गर्व की बात है कि भारत की रक्षा क्षमता का विस्तार जल, थल और वायु सभी मोर्चों तक हुआ है। मैं वायु सेना और तेजपुर वायु सेना स्टेशन की समूची टीम को इस उड़ान के लिए बधाई देती हूं।"

मेहनती, जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं अडाणी: शरद पवार ने 2015 में अपनी आत्मकथा में कहा

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार के उद्योगपति गौतम अडाणी को लेकर विपक्षी दलों से अलग विचार हो सकते हैं लेकिन उद्योगपति से उनकी मित्रता करीब दो दशक पुरानी है जब अडाणी कोयला क्षेत्र में विस्तार के अवसर तलाश रहे थे। पवार ने वर्ष 2015 में मराठी भाषा में प्रकाशित अपनी आत्मकथा लोक माझे सांगाती में अडाणी की खूब प्रशंसा की है और उन्हें एक मेहनती, साधारण, जमीन से जुड़ा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में कुछ बड़ा करने की महत्वाकांक्षा रखने वाला व्यक्ति बताया है।

वरिष्ठ नेता पवार ने यह भी लिखा है कि उनके आग्रह पर ही अडाणी ने ताप ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखा। पवार ने अपनी किताब में लिखा कि अडाणी ने किस तरह से मुंबई लोकल ट्रेन में एक सेल्समैन का काम करने की शुरुआत करते हुए अपना विशाल कारोबारी साम्राज्य खड़ा किया। पवार ने अपनी किताब में यह भी उल्लेखित किया है कि अडाणी ने हीरा उद्योग में अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश से पहले छोटे उद्यमों में हाथ आजमाया। राकांपा प्रमुख पवार ने लिखा, वह हीरा कारोबार में अच्छी कमाई कर रहे थे लेकिन गौतम की इसमें रूचि नहीं थी। उनकी महत्वाकांक्षा बुनियादी ढांचा क्षेत्र में उतरने की थी। गुजरात के मुख्यमंत्री चिमनभाई पटेल के साथ उनके अच्छे संबंध थे और उन्होंने मुंद्रा में एक बंदरगाह के विकास का एक प्रस्ताव पेश किया था।

उन्होंने याद करते हुए लिखा कि पटेल ने अडाणी को आगाह किया था कि यह बंदरगाह पाकिस्तान सीमा के करीब है और यह एक शुष्क जगह है। उन्होंने कहा, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने चुनौती स्वीकार की।

पवार ने लिखा कि बाद में अडाणी ने कोयला क्षेत्र में कदम रखा और उनके (पवार के) ही सुझाव पर कारोबारी ताप ऊर्जा क्षेत्र में उतरे।

उस समय केंद्रीय कृषि मंत्री रहे पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के गोंदिया में राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल के पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अडाणी को ए सुझाव दिए थे।

सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठेंगे सचिन पायलट

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पालयट राज्य की पूर्ववर्ती वसुंधरा सरकार के समय भ्रष्टाचार के मामलों की जांच को लेकर अपनी ही कांग्रेस सरकार पर सवाल खड़े करते हुए 11 अप्रैल को जयपुर में अनशन पर बैठेंगे। सचिन पायलट ने कहा कि वसुंधरा सरकार के समय प्रदेश में हुए भ्रष्टाचार के मामलों को जनता के सामने कांग्रेस के नेताओं के उठाने पर कांग्रेस की सरकार बनी और सत्ता में आने के बाद साढ़े चार साल बाद भी भ्रष्टाचार के मामलों की जांच को लेकर कोई कदम नहीं उठाया गया जबकि उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दो बार पत्र लिखकर इस बारे में आग्रह किया गया था। उन्होंने कहा कि जब दो बार इस बारे में आग्रह करने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्होंने इस मांग को लेकर अब 11 अप्रैल को पूर्वाह्न ग्यारह बजे से प्रसिद्ध समाज सुधारक ज्योतिबा राव फुले की जयंती पर शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करेंगे। उन्होंने कहा "मुझे श्रीमती सोनिया गांधी ने राज्य में पार्टी की जिम्मेदारी दी और वसुंधरा सरकार की गलत नीतियों का हमने विरोध किया, खास तौर पर हमने भ्रष्ट्राचार के मुद्दों को उठाया। जिसका परिणाम हुआ कि उनकी सरकार चली गई। जब हम विपक्ष में थे उस समय हमने कहा था कि हम भाजपा सरकार के भ्रष्ट्राचार की जांच करेंगे। मैने मुख्यमंत्री को गत वर्ष 28 मार्च को इस संबंध में पहला पत्र लिखा लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद दो नवम्बर को दूसरा पत्र लिखा गया लेकिन उसका भी जवाब भी हमें नहीं मिला।"

'जियो मेरी जान' की शूटिंग शुरू

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की फिल्म 'जियो मेरी जान' की शूटिंग शुरू हो गयी है। जियो मेरी जान के निर्देशक अनंजय रघुराज हैं ।इस फिल्म के निर्माता आयुष गुप्ता हैं। फिल्म को लेकर पवन सिंह ने कहा कि फिल्म 'जियो मेरी जान' मेरी प्राथमिकता होगी। इस फिल्म की कहानी मुझे बेहद पसंद आई। एक कलाकार के नाते मेरे लिए यह फिल्म शानदार होगी। फिल्म की टीम बेहतरीन है, जिसके साथ मिलकर हम एक अच्छी और पारिवारिक फिल्म लेकर आने वाले हैं। मुझे पब्लिक ने अपने प्यार और आशीर्वाद से यहां तक पहुंचाया है। उनके मनोरंजन के लिए ऐसे प्रोजेक्ट्स बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह फिल्म इतनी खास होगी कि दर्शक से परिवार के साथ बेहद सहजता के साथ एंजॉय कर पाएंगे। फिल्म में गाने से लेकर एक्शन तक लाजवाब होने वाले हैं। अनंजय रघुराज एक मंझे हुए निर्देशक हैं और आयुष गुप्ता एक विजनरी निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद करूंगा कि जब हमारी फिल्म 'जियो मेरी जान' बड़े पर्दे पर आए, तो आप सभी पूरे परिवार के साथ इस फिल्म को देखें। वहीं, अनंजय रघुराज ने बताया कि फिल्म 'जियो मेरी जान' का निर्माण जे पी स्टार पिक्चर्स के बैनर से हो रहा है। उम्मीद है कि हमारी फिल्म सबों को पसंद आएगी। इस फिल्म में पावर स्टार पवन सिंह का जादू चलने वाला है। फिल्म में वे एक अतिमहत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। हम लोग फिल्म को भव्य स्तर पर बना रहे हैं। यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा के ग्राफ को आगे बढ़ाने वाली होगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'जियो मेरी जान' की कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है। म्यूजिक रजनीश मिश्रा का होगा। इसके अलावा फिल्म में संगीत प्रियांशु सिंह और छोटू रावत का होगा। फिल्म 'जियो मेरी जान' में पावन सिंह के साथ लीड रोल में रूपाली जाधव नज़र आने वाली हैं। फिल्म में सपना चौहान, विनीत विशाल, बृजेश त्रिपाठी, धामा वर्मा, जफर खान और साहिल शेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।।

75 वर्ष की हुईं जया भादुड़ी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री जया भादुड़ी आज 75 वर्ष की हो गयी। जया भादुड़ी (जया बच्चन) का जन्म 09 अप्रैल 1948 को बंगाली परिवार में हुआ था । उनके पिता तरुण भादुड़ी पत्रकार थे ।जया भादुड़ी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा संत जोसेफ कानवेंट से पूरी की । इसके बाद उन्होंने पुणा फिल्म इंस्टीच्यूट में दाखिला ले लिया ।सत्तर के दशक में अभिनेत्री बनने का सपना लेकर जया भादुड़ी ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया । जया भादुड़ी ने अपने सिने करियर की शुरुआत 15 वर्ष की उम्र में महान निर्माता-निर्देशक सत्यजीत रे की बंग्ला फिल्म महानगर से की ।इसके बाद उन्होंने एक बंग्ला कामेडी फिल्म धन्नी मेये में भी काम किया जो टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी।

जया भादुड़ी को प्रारंभिक सफलता दिलाने में निर्माता-निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का बड़ा योगदान रहा ।उन्हें पहला बड़ा ब्रेक उनकी ही वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म गुड्डी से मिला। इस फिल्म में जया भादुड़ी ने एक ऐसी लड़की की भूमिका निभाई जो फिल्में देखने की काफी शौकीन है और अभिनेता धमेन्द्र से प्यार करती है ।अपने इस किरदार को जया भादुड़ी ने इतने चुलबुले तरीके से निभाया कि दर्शक उस भूमिका को आज भी भूल नही पाये हैं ।वर्ष 1972 में जया भादुड़ी को ऋषिकेष मुखर्जी की ही फिल्म कोशिश में काम करने का अवसर मिला जो उनके सिने कैरियर के लिये मील का पत्थर साबित हुयी ।इस फिल्म की सफलता के बाद वह शोहरत की बुंलदियों पर जा पहुंचीं। वह इस फिल्म में दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए नामांकित भी की गयी। फिल्म कोशिश में जया भादुड़ी ने गूंगे की भूमिका निभायी जो किसी भी अभिनेत्री के लिये बहुत बड़ी चुनौती थी ।बगैर संवाद बोले सिर्फ आंखो और चेहरे के भाव से दर्शको को सब कुछ बता देना जया भादुड़ी की अभिनय प्रतिभा का ऐसा उदाहरण था जिसे शायद ही कोई अभिनेत्री दोहरा पाये ।कोशिश की सफलता के बाद ऋषिकेश मुखर्जी जया भादुड़ी के पसंदीदा निर्देशक बन गये। बाद में जया भादुड़ी ने उनके निर्देशन में बावर्ची, अभिमान, चुपके-चुपके और मिली जैसी कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखाया ।वर्ष 1972 में प्रदर्शित फिल्म एक नजर के निर्माण के दौरान जया भादुड़ी का झुकाव फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन की ओर हो गया ।इसके बाद जया भादुड़ी और अमिताभ बच्चन ने वर्ष 1973 में शादी कर ली ।शादी के बाद भी जया भादुड़ी ने फिल्मों में काम करना जारी रखा।

वर्ष 1975 जया भादुड़ी के सिने कैरियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। उस वर्ष उन्हें रमेश सिप्पी की सुपरहिट फिल्म शोले में काम करने का मौका मिला ।इस फिल्म के पहले उनके बारे में यह धारणा थी कि वह केवल रूमानी या चुलबुले किरदार निभाने में ही सक्षम है लेकिन उन्होंने अपने संजीदा अभिनय से दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया ।अस्सी के दशक में शादी के बाद पारिवारिक जिम्मेवारियों को देखते हुये जया भादुड़ी ने फिल्मों में काम करना काफी हद तक कम कर दिया ।यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी वर्ष 1981 में प्रदर्शित फिल्म सिलसिला उनके सिने करियर की आखिरी फिल्म साबित हुयी । इसके बाद जया भादुड़ी लगभग 17 वर्षो तक फिल्म इंडस्ट्री से दूर रही ।हालांकि इस बीच उन्होंने एक फिल्म की कहानी भी लिखी ।बाद में उस कहानी पर वर्ष 1988 में अमिताभ बच्न अभिनीत फिल्म शंहशाह प्रदर्शित हुयी ।वर्ष 1998 में प्रदर्शित फिल्म ..हजार चौरासी की मां ..के जरिये जया भादुड़ी ने अपने सिने करियर की दूसरी पारी शुरू की ।गोविन्द निहलानी के निर्देशन में नक्सलवाद मुद्दे पर बनी इस फिल्म में जया भादुड़ी ने मां की भूमिका को भावात्मक रूप से पेश कर दर्शको का दिल जीत लिया ।फिल्मों में कई भूमिकाएं निभाने के बाद जया भादुड़ी ने समाज सेवा के लिए राजनीति में प्रवेश किया और समाजवादी पार्टी के सहयोग से राज्यसभा की सदस्य बनी ।भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को देखते हुए 1992 में उन्हें देश के चौथे सबसे बडे नागरिक सम्मान पदमश्री से अलंकृत किया गया।

अनिल कपूर ने वर्कआउट वीडियो शेयर किया

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर अपना वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। अनिल कपूर सोशल मीडिया पर अक्सर फिटनेस से जुड़े वीडियो शेयर करते हैं। अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर वर्कआउट करते हुए वीडियो और फोटो शेयर किया है। वीडियो में अनिल कपूर ऑक्सीजन मास्क लगाकर वर्कआउट करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में अनिल कपूर ट्रेडमिल पर ऑक्सीजन मास्क लगाकर दौड़ रहे हैं।

इस वीडियो पर अनिल कपूर के फैंस उनकी फिटनेस और एनर्जी की तारीफ कर रही हैं। अनिल कपूर ने इस वीडियो में बताया कि उनकी फिटनेस रूटीन की शुरुआत सुबह से नहीं बल्कि रात से होती है। वह रोजाना करीब सात घंटे की नींद लेते हैं। अनिल कपूर ने बताया कि वह अपने दिन की शुरुआत डार्ट के गेम से करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके लिए फिटनेस का मतलब अपने बारे में अच्छा महसूस करना है। मैं फिट रहने की कोशिश करता हूं, जिससे कैमरा फेस कर सकूं। मेरे ट्रेनर मार्क मेरे लिए प्लान बनाते हैं और मैं बिल्कुल वैसा ही करता हूं जैसा वो कहते हैं ।एक्सरसाइज तो जरूरी है ही। उससे ज्यादा जरूरी है सही तरीके से खाना खाना। खाना स्वाद के लिए नहीं, ताकत और स्टैमिना के लिए खाना चाहिए।

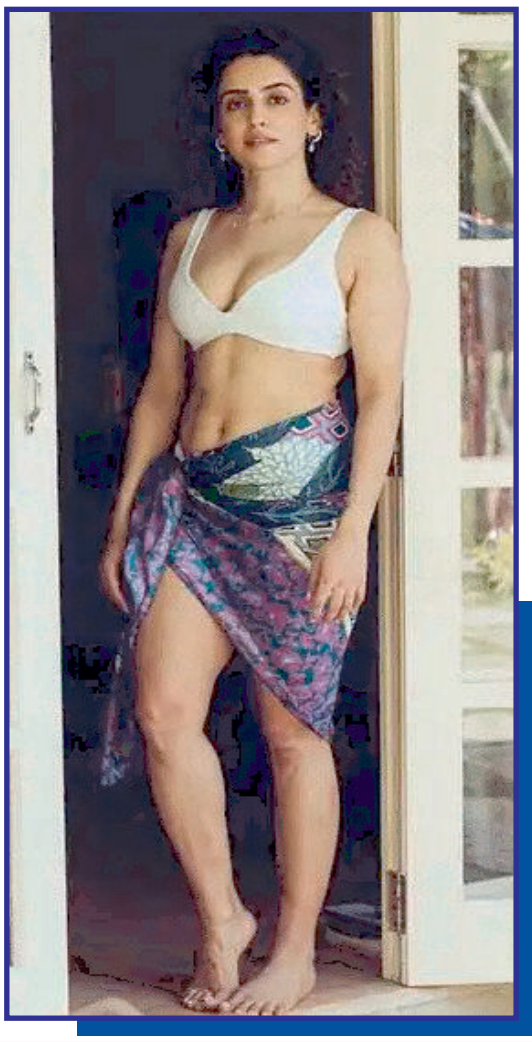

सान्या मल्होत्रा ने ' ये काली काली आंखें' पर किया डांस

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने फिल्म बाजीगर के सुपरहिट गाना ' ये काली काली आंखें' पर डांस किया है। सान्या मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर 'बाजीगर' फिल्म के गाने 'ये काली काली आंखे' पर डांस वीडियो शेयर किया है। वीडियो में सान्या गाने की बीट्स पर एनर्जी से भरपूर स्टेप्स एंजॉय करती नजर आ रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में सान्या ने लिखा, यदि आप एक ओरिजिनल 90s किड हैं, तो आप खुद को इस गाने पर डांस करने से रोक नहीं पाएंगे। फॉरएवर फैन गर्ल अलर्ट ! सोशल मीडिया पर सान्या के फैंस उनके डांस, एनर्जी और एक्सप्रेशन की खूब तारीफ कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'बाजीगर' फिल्म में इस गाने में शाहरुख खान और काजोल ने डांस किया था।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com